



# **United Liberal FOUNDATION**

**(EDUCATION is ABOUT creating leaders for tomorrow)**

Reference Number:- IND/WB/ULF/NCERT/2022/0001

Date:- 21 June 2022

## **CBSE Class 9 History Notes Chapter 1 – The French Revolution PDF**

### **सीबीएसई कक्षा 9 इतिहास नोट्स अध्याय 1 - फ्रांसीसी क्रांति पीडीएफ**

#### **The French Revolution**

##### **फ्रांसीसी क्रांति**

In 1789, in the wake of early morning, the city of Paris was in a state of alarm. Rumours spread that the King would open fire upon the citizens. People started gathering and they started breaking a number of government buildings in search of arms. The commander of the Bastille was killed in the armed fight and the prisoners were released. People hated the Bastille as it stood for the despotic power of the king. People protested against the high price of bread. A new chain of events began which led to the execution of the King in France.

1789 में, सुबह-सुबह, पेरिस शहर खतरे की स्थिति में था। अफवाहें फैल गईं कि राजा नागरिकों पर गोलियां चलाएगा। लोग इकट्ठा होने लगे और उन्होंने हथियारों की तलाश में कई सरकारी इमारतों को तोड़ना शुरू कर दिया। बैस्टिल का कमांडर सशस्त्र लड़ाई में मारा गया और कैदियों को रिहा कर दिया गया। लोग बैस्टिल से नफरत करते थे क्योंकि यह राजा की निरंकुश शक्ति के लिए खड़ा था। लोगों ने रोटी की ऊंची कीमत का विरोध किया। घटनाओं की एक नई श्रृंखला शुरू हुई जिसके कारण फ्रांस में राजा को फांसी दी गई।

#### **French Society during the Late Eighteenth Century**

##### **अठारहवीं शताब्दी के अंत के दौरान फ्रांसीसी समाज**

Louis XVI, in 1774, ascended the throne of France. Financial France was drained because of the war. France, Under Louis XVI, helped the thirteen American colonies to gain their independence from Britain. Taxes were increased to meet regular expenses, such as the cost of maintaining an army, the court, running government offices or universities. The country of France was divided into three estates in the eighteenth century. The feudal system was part of the society estates dated back to the middle ages. 90 percent of the population was dominated by peasants but only a small number of them owned the land they cultivated. 60 percent was owned by nobles, the Church and other richer members of the third estate. The clergy and the nobility, members of the first two estates enjoyed certain privileges by birth. These groups of members were exempted from paying taxes and enjoyed feudal privileges. All members of the third estate had to pay taxes to the state which included a direct tax, called taille, and a number of indirect taxes which were levied on articles of everyday consumption like salt or tobacco.

लुई सोलहवें, 1774 में, फ्रांस के सिंहासन पर चढ़े। वित्तीय फ्रांस युद्ध के कारण समाप्त हो गया था। फ्रांस, लुई सोलहवें के तहत, तेरह अमेरिकी उपनिवेशों को ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद की। नियमित खर्चों को पूरा करने के लिए करों में वृद्धि की गई, जैसे कि सेना, अदालत, सरकारी कार्यालय या विश्वविद्यालय चलाने की लागत। फ्रांस देश अठारहवीं शताब्दी में तीन सम्पदाओं में विभाजित था। सामंती व्यवस्था मध्य युग में वापस दिनांकित समाज सम्पदा का हिस्सा थी। 90 प्रतिशत आबादी पर किसानों का प्रभुत्व था, लेकिन उनमें से केवल कुछ ही लोगों के पास उस जमीन का स्वामित्व था, जिस पर वे खेती करते थे। 60 प्रतिशत का स्वामित्व रईसों, चर्च और तीसरी संपत्ति के अन्य अमीर सदस्यों के पास था। पादरी और कुलीन वर्ग, पहले दो सम्पदा के सदस्यों को जन्म से कुछ विशेषाधिकार प्राप्त थे। सदस्यों के इन समूहों को करों का भुगतान करने से छूट दी गई थी और उन्हें सामंती विशेषाधिकार प्राप्त थे। तीसरी संपत्ति के सभी सदस्यों को राज्य को करों का भुगतान करना पड़ता था जिसमें एक प्रत्यक्ष कर शामिल था, जिसे टेल कहा जाता था, और कई अप्रत्यक्ष कर जो नमक या तंबाकू जैसी रोजमर्रा की खपत के लेखों पर लगाए जाते थे।

## The Struggle to Survive

### जीवित रहने के लिए संघर्ष

Increase in population led to a rapid increase for food grains. Production of grains could not keep pace with the demand due to which the price of bread rose rapidly. Due to low wages paid to the labourers the gap between the poor and the rich widened. Things became worse whenever drought or hail reduced the harvest.

जनसंख्या में वृद्धि के कारण खाद्यान्न के लिए तेजी से वृद्धि हुई। अनाज का उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं हो सका जिसके कारण ब्रेड के दाम तेजी से बढ़े। मजदूरों को कम मजदूरी भुगतान के कारण गरीब और अमीर के बीच की खाई और चौड़ी हो गई। जब भी सूखे या ओलावृष्टि ने फसल को कम किया तो हालात और खराब हो गए।

### A Growing Middle Class Envisages an End to Privileges

#### एक बढ़ता हुआ मध्यम वर्ग विशेषाधिकारों के अंत की परिकल्पना करता है

Peasants used to participate in revolts against taxes and food scarcity. Group of the third estate had become prosperous and had access to education and new ideas. In the eighteenth century, new social groups emerged, termed the middle class, who earned their wealth through expanding overseas trade and by manufacturing woollen and silk textiles that were either exported or bought by the richer members of society. The third estate included professions such as lawyers or administrative officials. A person's social position was dependent on their merit.

किसान करों और भोजन की कमी के खिलाफ विद्रोह में भाग लेते थे। तीसरी संपत्ति का समूह समृद्ध हो गया था और शिक्षा और नए विचारों तक उसकी पहुंच थी। अठारहवीं शताब्दी में, नए सामाजिक समूहों का उदय हुआ, जिन्हें मध्यम वर्ग कहा जाता है, जिन्होंने विदेशी व्यापार के विस्तार और ऊनी और रेशमी वस्त्रों का निर्माण करके अपनी संपत्ति अर्जित की, जिन्हें या तो निर्यात किया गया था या समाज के अमीर सदस्यों द्वारा खरीदा गया था। तीसरी संपत्ति में वकील या प्रशासनिक अधिकारी जैसे पेशे शामिल थे। व्यक्ति की सामाजिक स्थिति उसकी योग्यता पर निर्भर करती थी।

All these groups were educated and believed that no group in society should be privileged by birth. Rather, a person's social position must depend on his merit. A new form of government was proposed by Rousseau based on a social contract between people and their representatives.

ये सभी समूह शिक्षित थे और उनका मानना था कि समाज में किसी भी समूह को जन्म से विशेषाधिकार प्राप्त नहीं होना चाहिए। बल्कि व्यक्ति की सामाजिक स्थिति उसकी योग्यता पर निर्भर होनी चाहिए। रूसो द्वारा लोगों और उनके प्रतिनिधियों के बीच एक सामाजिक अनुबंध के आधार पर सरकार का एक नया रूप प्रस्तावित किया गया था।

Similarly, Montesquieu proposed a division of power within the government between the legislative, the executive and the judiciary. In the USA, this model of government was put into force. Louis XVI planned to impose further taxes to meet the expenses.

इसी तरह, मोंटेस्क्यू ने सरकार के भीतर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता के विभाजन का प्रस्ताव रखा। संयुक्त राज्य अमेरिका में, सरकार के इस मॉडल को लागू किया गया था। लुई लुई सोलहवें ने खर्चों को पूरा करने के लिए और कर लगाने की योजना बनाई।

## The Outbreak of the Revolution

### क्रांति का प्रकोप

In France, the monarch didn't have the power to impose taxes. They had to call a meeting of the Estates-General, a political body to which the three estates sent their representatives, to pass proposals for new taxes. Louis XVI, on 5 May 1789, called an assembly to pass proposals for new taxes. Representatives from the first and second estates were present and the third estate was represented by its prosperous and educated members. According to the principle each estate had one vote. But, representatives from the third estate demanded each member would have one vote. The demand was rejected so members of the third estate walked out to protest. They swore not to disperse till a constitution drafted for France that would limit the powers of the monarch.

फ्रांस में, सम्राट के पास कर लगाने की शक्ति नहीं थी। उन्हें नए करों के प्रस्तावों को पारित करने के लिए, एक राजनीतिक निकाय, एस्टेट्स-जनरल की एक बैठक बुलानी पड़ी, जिसमें तीनों सम्पदाओं ने अपने प्रतिनिधियों को भेजा। 5 मई 1789 को लुई सोलहवें ने नए करों के प्रस्तावों को पारित करने के लिए एक सभा बुलाई। पहली और दूसरी सम्पदा के प्रतिनिधि उपस्थित थे और तीसरी संपत्ति का प्रतिनिधित्व इसके समृद्ध और शिक्षित सदस्यों द्वारा किया गया था। सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक संपत्ति का एक वोट था। लेकिन, तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों ने मांग की कि प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होगा। मांग को खारिज कर दिया गया था, इसलिए तीसरे एस्टेट के

सदस्य विरोध करने के लिए बाहर चले गए। उन्होंने फ्रांस के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार करने तक तितर-बितर नहीं होने की कसम खाई, जो सम्राट की शक्तियों को सीमित कर देगा।

Due to the severe winter, bread price rose and people had to spend hours in long queues. Rumours spread that the lords of the manor hired bands of brigands to destroy the ripe crops. In fear, peasants started looting hoarded grain and burnt down documents containing records of manorial dues. Nobles fled from their homes. Louis XVI accorded recognition to the National Assembly and accepted the principle that his powers would from now on be checked by a constitution. The Assembly passed a decree abolishing the feudal system of obligations and taxes on 4 August 1789. Tithes were abolished and lands owned by the Church were confiscated.

भीषण सर्दी के कारण रोटी के दाम बढ़ गए और लोगों को घंटों लंबी कतारों में लगना पड़ा। अफवाहें फैल गईं कि जागीर के मालिकों ने पकी फसलों को नष्ट करने के लिए लुटेरों के बैंड किराए पर लिए। डर के मारे किसानों ने जमा हुए अनाज को लूटना शुरू कर दिया और जागीरदारों के रिकॉर्ड वाले दस्तावेजों को जला दिया। रईस अपने घरों से भाग गए। लुई सोलहवें ने नेशनल असेंबली को मान्यता दी और इस सिद्धांत को स्वीकार किया कि उसकी शक्तियों को अब से एक संविधान द्वारा जांचा जाएगा। 4 अगस्त 1789 को विधानसभा ने दायित्वों और करों की सामंती व्यवस्था को समाप्त करने का एक फरमान पारित किया। दशमांश को समाप्त कर दिया गया और चर्च के स्वामित्व वाली भूमि को जब्त कर लिया गया।

## **France Becomes a Constitutional Monarchy**

### **फ्रांस एक संवैधानिक राजतंत्र बन गया**

In 1791, The National Assembly completed the draft of the constitution and its main object was to limit the powers of the monarch. These powers were now separated and assigned to different institutions – the legislature, executive and judiciary. France became a constitutional monarchy.

1791 में, नेशनल असेंबली ने संविधान का मसौदा तैयार किया और इसका मुख्य उद्देश्य सम्राट की शक्तियों को सीमित करना था। इन शक्तियों को अब अलग कर दिया गया और विभिन्न संस्थानों को सौंप दिया गया - विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। फ्रांस एक संवैधानिक राजतंत्र बन गया।

Citizens voted for a group of electors, who in turn chose the Assembly, but unfortunately, not every citizen had the right to vote. Men above 25 years of age who paid taxes equal to at least 3 days of a labourer's wage were entitled to vote. The Constitution began with a Declaration of the Rights of Man and Citizen. Rights such as the right to life, freedom of speech, freedom of opinion, equality before law, were established as 'natural and inalienable' rights, that is, they belonged to each human being by birth and could not be taken away.

नागरिकों ने मतदाताओं के एक समूह के लिए मतदान किया, जिन्होंने बदले में विधानसभा को चुना, लेकिन दुर्भाग्य से, प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार नहीं था। 25 वर्ष से अधिक आयु के पुरुष जिन्होंने एक मजदूर के वेतन के कम से कम 3 दिनों के बराबर कर का भुगतान किया, वोट देने के हकदार थे। संविधान की शुरुआत मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा के साथ हुई। जीवन का अधिकार, बोलने की स्वतंत्रता, विचार की स्वतंत्रता, कानून के समक्ष समानता जैसे अधिकारों को 'प्राकृतिक और अक्षम्य' अधिकारों के रूप में स्थापित किया गया था, अर्थात् वे जन्म से प्रत्येक मनुष्य के थे और उन्हें छीना नहीं जा सकता था।

## **France Abolishes Monarchy and Becomes a Republic**

### **फ्रांस राजशाही को समाप्त कर एक गणतंत्र बन गया**

In April 1792, the National Assembly voted for a war against Prussia and Austria. Marseillaise became the national anthem of France. While men were away fighting at the war, women took care of their families. Large sections of the population demanded that the revolution had to be carried further, as the Constitution of 1791 gave political rights only to the richer sections of society. Political clubs were formed and among them, Jacobins became the most successful club. Members of the Jacobin club included small shopkeepers, artisans such as shoemakers, pastry cooks, watch-makers, printers, as well as servants and daily-wage workers. Jacobin members started wearing long striped trousers similar to those worn by dockworkers. These Jacobins were called the sans-culottes, literally meaning 'those without knee breeches'. On August 10 1792, Jacobins stormed the Palace of the Tuileries and held the king hostage for several hours. Elections were held and all men of 21 years and above got the right to vote. Monarchy was abolished on 21 September 1792 and France was declared a republic. Louis XVI was sentenced to death by a court on the charge of treason.

अप्रैल 1792 में, नेशनल असेंबली ने प्रशिया और ऑस्ट्रिया के खिलाफ युद्ध के लिए मतदान किया। मार्सिले फ्रांस का राष्ट्रगान बन गया। जब पुरुष युद्ध में लड़ रहे थे, तब महिलाओं ने अपने परिवार की देखभाल की। आबादी के बड़े हिस्से ने मांग की कि क्रांति को और आगे बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि 1791 के संविधान ने समाज के धनी वर्गों को ही राजनीतिक अधिकार दिए। राजनीतिक क्लब बने और उनमें से जैकोबिन्स सबसे सफल क्लब बन गए। जैकोबिन क्लब के सदस्यों में छोटे दुकानदार, शोमेकर जैसे कारीगर, पेस्ट्री कुक, घड़ी बनाने वाले,

प्रिंटर, साथ ही नौकर और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी शामिल थे। जैकोबिन के सदस्यों ने डॉकवर्कर्स द्वारा पहने जाने वाले समान लंबी धारीदार पतलून पहनना शुरू कर दिया। इन जैकोबिन्स को सेन्स-कूलॉट्स कहा जाता था, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'बिना घुटने वाले'। 10 अगस्त 1792 को, जैकोबिन्स ने पैलेस ऑफ़ द ट्यूलरीज़ पर धावा बोल दिया और राजा को कई घंटों तक बंधक बनाकर रखा। चुनाव हुए और 21 साल और उससे अधिक उम्र के सभी पुरुषों को वोट देने का अधिकार मिला। 21 सितंबर 1792 को राजशाही को समाप्त कर दिया गया और फ्रांस को एक गणराज्य घोषित किया गया। लुई सोलहवें को एक अदालत ने राजद्रोह के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी।

## The Reign of Terror

### आतंक का राज

The period from 1793 to 1794 is referred to as the Reign of Terror. People whom Robespierre saw enemies of the republic were arrested, imprisoned and then tried by a revolutionary tribunal. If they were declared guilty by the court then they were guillotined. The guillotine is a device consisting of two poles and a blade with which a person is beheaded, named after Dr Guillotin. Laws were issued to place a maximum ceiling on wages and prices. Meat and bread were rationed. Expensive white flour was forbidden to use. Equality was practised through forms of speech and address. All French men and women were addressed as Citoyen and Citoyenne (Citizen). In July 1794, he was convicted by a court arrested and the next day sent to the guillotine.

1793 से 1794 तक की अवधि को आतंक के शासन के रूप में जाना जाता है। जिन लोगों को रोबेस्पियरे ने गणतंत्र के दुश्मनों को देखा था, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, कैद कर लिया गया और फिर एक क्रांतिकारी न्यायाधिकरण ने उन पर मुकदमा चलाया। अगर उन्हें अदालत ने दोषी करार दिया तो उन्हें गिलोटिन कर दिया गया। गिलोटिन एक उपकरण है जिसमें दो डंडे और एक ब्लेड होता है जिसके साथ एक व्यक्ति का सिर काट दिया जाता है, जिसका नाम डॉ गिलोटिन के नाम पर रखा गया है। मजदूरी और कीमतों पर अधिकतम सीमा तय करने के लिए कानून जारी किए गए थे। मांस और रोटी का राशन था। महँगे सफेद आटे का प्रयोग वर्जित था। भाषण और संबोधन के माध्यम से समानता का अभ्यास किया जाता था। सभी फ्रांसीसी पुरुषों और महिलाओं को सिटोयेन और सिटोयेन (नागरिक) के रूप में संबोधित किया गया था। जुलाई 1794 में, उन्हें गिरफ्तार एक अदालत ने दोषी ठहराया और अगले दिन गिलोटिन भेज दिया।

## A Directory Rules France

### एक निर्देशिका नियम फ्रांस

Fall of the Jacobin government allowed the wealthier middle classes to seize power. According to the new constitution, non-propertied sections of society denied voting. It provided for two elected legislative councils. The government appointed a Directory, consisting of executives made up of five members. Political instability paved the way for a military dictator, Napoleon Bonaparte.

जैकोबिन सरकार के पतन ने धनी मध्यम वर्गों को सत्ता हथियाने की अनुमति दी। नए संविधान के अनुसार, समाज के गैर-संपत्ति वाले वर्गों ने मतदान से इनकार कर दिया। इसमें दो निर्वाचित विधान परिषदों का प्रावधान था। सरकार ने एक निर्देशिका नियुक्त की, जिसमें पाँच सदस्यों से बने अधिकारी शामिल थे। राजनीतिक अस्थिरता ने एक सैन्य तानाशाह नेपोलियन बोनापार्ट के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

## Did Women have a Revolution?

### क्या महिलाओं में क्रांति हुई?

Women were active participants from the beginning which brought important changes in the country France. Women from the third estate had to work for a living and they didn't have access to education or job training. Daughters of nobles of the third estate were allowed to study at a convent. Working women also had to care for their families. Compared to men, their wages were lower. Women also started their political clubs and newspapers. The Society of Revolutionary and Republican Women was one of the most famous women's clubs. They demanded equal political rights as men, the right to vote and to hold political office. The revolutionary government introduced laws to improve the lives of women. Schooling became compulsory, divorce made legal and they could run small businesses. During the Reign of Terror, the government closed women's clubs banning their political activities. After much struggle, women in France in 1946 won the right to vote.

महिलाएं शुरू से ही सक्रिय भागीदार थीं जिससे देश फ्रांस में महत्वपूर्ण बदलाव आए। तीसरे एस्टेट की महिलाओं को जीवन यापन के लिए काम करना पड़ता था और उनके पास शिक्षा या नौकरी प्रशिक्षण तक पहुंच नहीं थी। तीसरी संपत्ति के रईसों की बेटियों को एक कॉन्वेंट में पढ़ने की अनुमति थी। कामकाजी महिलाओं को भी अपने परिवार की देखभाल करनी पड़ती थी। पुरुषों की तुलना में उनका वेतन कम था। महिलाओं ने अपने राजनीतिक क्लब और समाचार पत्र भी शुरू किए। रिवोल्यूशनरी और रिपब्लिकन वुमन की सोसायटी सबसे प्रसिद्ध महिला क्लबों में से एक थी। उन्होंने पुरुषों के समान राजनीतिक अधिकार, वोट देने का अधिकार और राजनीतिक पद धारण करने की मांग की। क्रांतिकारी सरकार ने महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कानून पेश किए। स्कूली शिक्षा अनिवार्य हो गई, तलाक कानूनी हो गया और वे छोटे व्यवसाय चला सकते थे। आतंक के शासन के दौरान, सरकार ने महिला क्लबों को उनकी राजनीतिक गतिविधियों पर

प्रतिबंध लगाते हुए बंद कर दिया। काफी संघर्ष के बाद 1946 में फ्रांस में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला।

## **The Abolition of Slavery**

### **गुलामी का उन्मूलन**

Jacobin regime's most revolutionary social reform was the abolition of slavery in the French colonies. In the seventeenth century, slavery trade began. Slaves were brought from local chieftains, branded and shackled and were packed tightly into ships for the three-month-long voyage across the Atlantic to the Caribbean. Slave labour met the growing demand in European markets for sugar, coffee, and indigo. Throughout the eighteenth century, there was little criticism of slavery in France. In 1794, the Convention legislated to free all slaves in the French overseas possessions. Napoleon introduced slavery after ten years. In 1848, slavery was abolished in French colonies.

जैकोबिन शासन का सबसे क्रांतिकारी सामाजिक सुधार फ्रांसीसी उपनिवेशों में दासता का उन्मूलन था। सत्रहवीं शताब्दी में गुलामी का व्यापार शुरू हुआ। दासों को स्थानीय सरदारों से लाया गया, ब्रांडेड और बेड़ियों में जकड़ा गया और अटलांटिक के पार कैरिबियन में तीन महीने की लंबी यात्रा के लिए जहाजों में कसकर पैक किया गया। दास श्रम ने यूरोपीय बाजारों में चीनी, कॉफी और नील की बढ़ती मांग को पूरा किया। अठारहवीं शताब्दी के दौरान, फ्रांस में दासता की बहुत कम आलोचना हुई। 1794 में, कन्वेंशन ने फ्रांसीसी विदेशी संपत्ति में सभी दासों को मुक्त करने के लिए कानून बनाया। नेपोलियन ने दस साल बाद गुलामी की शुरुआत की। 1848 में, फ्रांसीसी उपनिवेशों में दासता को समाप्त कर दिया गया था।

## **The Revolution and Everyday Life**

### **क्रांति और रोजमर्रा की जिंदगी**

France during 1789 saw changes in the lives of men, women and children. Abolition of censorship happened in the summer of 1789. Declaration of the Rights of Man and Citizen proclaimed freedom of speech and expression to be a natural right. Freedom of press meant opposing views of events could be expressed. Plays, songs and festive processions attracted large numbers of people.

1789 के दौरान फ्रांस ने पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के जीवन में परिवर्तन देखा। 1789 की गर्मियों में सेंसरशिप का उन्मूलन हुआ। मनुष्य और नागरिक के अधिकारों की घोषणा ने भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को एक प्राकृतिक अधिकार घोषित किया। प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ था घटनाओं के विरोध के विचार व्यक्त किए जा सकते थे। नाटकों, गीतों और उत्सव के जुलूसों ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया।

## **Conclusion**

### **निष्कर्ष**

Napoleon Bonaparte crowned himself Emperor of France, in 1804 and introduced many laws such as the protection of private property and a uniform system of weights and measures provided by the decimal system. Napoleon was defeated at Waterloo in 1815. The ideas of liberty and democratic rights were the most important legacy of the French Revolution. Colonised peoples reworked on the idea of freedom to create a sovereign nation-state.

नेपोलियन बोनापार्ट ने 1804 में खुद को फ्रांस के सम्राट का ताज पहनाया और निजी संपत्ति की सुरक्षा और दशमलव प्रणाली द्वारा प्रदान किए गए वजन और माप की एक समान प्रणाली जैसे कई कानून पेश किए। 1815 में वाटरलू में नेपोलियन की हार हुई थी। स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों के विचार फ्रांसीसी क्रांति की सबसे महत्वपूर्ण विरासत थे। उपनिवेशवादी लोगों ने एक संप्रभु राष्ट्र-राज्य बनाने के लिए स्वतंत्रता के विचार पर फिर से काम किया।



United Liberal Foundation